इंकलाब जिन्दाबाद — सांझा मंच जिन्दाबाद — मजदूर एकता जिन्दाबाद

TRADE UNION COUNCIL

(A Joint Council of All Trade Unions of Gurgaon, Rewari)

दिनांक–22.11.2019

सेवा में,

श्रीमान उपायुक्त महोदय,
जिला गुरूग्राम, हरियाणा

विषयः– **M/s Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., IMT Manesar, Gurugram** के प्रबन्धकों द्वारा मन्दी का बहाना बनाकर मजदूरों की रोजी रोटी पर किए जा रहे खिलवाड़ पर रोक लगाने बारे तथा निकाले हुए सभी अस्थाई मजदूरों को काम पर लेने बारे ज्ञापन पत्र।

मान्यवर जी,

हम ट्रेड यूनियन कौंसिल के सभी सदस्य मैसर्स होण्डा मोटर साईकिल एण्ड स्कूटर इण्डिया प्रा0 लिमिटेड, आई0एम0टी0 मानेसर, गुरूग्राम के प्रबन्धकों द्वारा मन्दी का बहाना बनाकर हजारो अस्थाई मजदूरों को नौकरी से निकालने की घोर निन्दा करते हैं।

बड़े ही खेद की बात है कि सभी तरह के कायदे कानूनों को ताक पर रखकर खासतौर से स्थाई प्रकृति के काम को भी ठेके पर करवाया जा रहा है और माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण फैंसले "समान काम समान वेतन" लागू नहीं किया जा रहा, उल्टा होण्डा प्रबन्धको के द्वारा श्रम कानूनों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

होण्डा प्रबन्धकों की घोर मजदूर विरोधी गतिविधियों व नौकरी से निकालने पर सभी अस्थाई श्रमिकों ने दिनांक 05.11.2019 से संस्थान के अन्दर व बाहर धरना शुरू किया हुआ है। स्थाई मजदूरों को जबरन छुटिटयों पर घर भेजा जा रहा है और दिनांक 11.11.2019 को प्रबन्धकों द्वारा नोटिस लगाकर प्लाट के सामान्य कार्य अनिश्चित समय के लिए सस्पैंड कर दिये हैं जो कि अनुचित श्रम अभ्यास है। संस्थान में बडे स्तर पर श्रमिक अशान्ति प्रबन्धकों की तानाशाही व अस्थाई मजदूरों के शोषण के कारण हुई है। ये सभी मजदूर 10–12 वर्षो से इसी संस्थान में लगातार

इन्कलाब जिन्दाबाद

सांझा मंच जिन्दाबाद

मजदूर एकता जिन्दाबाद

TRADE UNION COUNCIL

(A Joint Council of All Trade Unions of Gurgaon, Rewari)

कार्य कर रहे हैं। प्रबन्धकों द्वारा मजदूरों को अचानक नौकरी से निकालने से मजदूरों व उनके परिवारों को बड़ा आघात हुआ है और मजदूर व उनके परिवार मानसिक परेशानी से गुजर रहे हैं। दूसरी तरफ होण्डा मोटरसाईकिल एण्ड स्कूटर इण्डिया ईम्पलाईज यूनियन के द्वारा दिनांक 31.07.2018 को मजदूरों की मांगों का सामुहिक मांग पत्र प्रबन्धकों को दिया गया था। प्रबन्धकों के अडियल रवैये के कारण अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है, फिर भी सभी मजदूरों ने संस्थान में पूरा उत्पादन पूरी ईमानदारी से किया है और शान्ति बनाये रखी है। प्रबन्धकों द्वारा गैर कानूनी ढंग से अस्थाई मजदूरों को नौकरी से निकालने के कारण संस्थान व औद्योगिक क्षेत्र में बड़े स्तर पर श्रमिक अशान्ति पैदा हो गई है। जो श्रमिक दिनांक 05.11.2019 से संस्थान के अन्दर धरने पर बैठे हुए थे उनके बारे में श्रम विभाग के अधिकारियों ने ट्रेड यूनियन कौंसिल के सदस्यों को यह आश्वासन दिया था कि संस्थान में बैठे श्रमिक अगर संस्थान को खाली कर देते हैं तो दो दिन के अन्दर फैंसला करवा दिया जावेगा। ट्रेड यूनियन कौंसिल के सदस्यों ने श्रमिकों को समझाया और संस्थान को खाली कर दिया, लेकिन अब संस्थान के प्रबन्धक बातचीत से भी पिछे हट गए हैं।

यह कि दिनांक 20.11.2019 को ट्रेड यूनियन कौंसिल के सदस्यों की मिटिंग ताऊ देवीलाल पार्क गुरूग्राम में हुई, जिसमें फैंसला लिया गया कि यदि प्रबन्धक दो दिन में फैंसला नहीं करते है तो दिनांक 22.11.2019 को आई0एम0टी0 मानेसर से गुरूग्राम सचिवालय तक शांतिपूर्वक ढंग से पैदल मार्च करेंगे तथा उपायुक्त महोदय, गुरूग्राम को ज्ञापन देंगे।

यह कि प्रबन्धकों ने संस्थान में गैर कानूनी तालाबन्दी की हुई है और सभी श्रमिक डयूटी पर जाने को तैयार हैं। श्रम विभाग के द्वारा भी गैर कानूनी तालाबन्दी पर अभी तक रोक नहीं लगाई गई है।

अतः ट्रेड यूनियन कौंसिल, गुरूग्राम–रेवाडी के बेनर तले हजारों की संख्या में मजदूर आई0एम0टी0 मानेसर से गुरूग्राम सचिवालय तक रोष प्रकट करते

कलाब जिन्दाबाद

सांझा मंच जिन्दाबाद

मजदूर एकता जिन्दाबाद

TRADE UNION COUNCIL

(A Joint Council of All Trade Unions of Gurgaon, Rewari)

हुए आपसे निवेदन करते है। कि आप इस ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए शीघ्र से शीघ्र कानूनी कार्यवाही करते हुए निम्नलिखित मांगों पर ध्यान देने का कष्ट करेंगे:–

1. प्रबन्धकों व उनके कार्यरत ठेकेदारों द्वारा निकाले गये सभी अस्थाई मजदूरों को सवेतन डियूटी पर भिजवाया जाये।
2. प्रबन्धकों ने दिनांक 11.11.2019 से संस्थान में गैर कानूनी तालाबन्दी की हुई है जिसे तुरन्त हटाया जावे।
3. संस्थान में गैर कानूनी ढ़ंग से चल रही ठेकेदारी प्रथा की जांच करवाई जावे तथा दोषी प्रबन्धकों व ठेकेदारों पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जावे। श्रम कानूनों को संस्थान में सख्ती से लागू करवाया जावे।
4. होण्डा यूनियन के द्वारा दिये गये सामुहिक मांग पत्र का सम्मानजनक समझौता करवाया जावे।

हम सभी पुनः आपसे यही अनुरोध करते हैं कि वर्ष 2005 में भी प्रबन्धकों ने मजदूरों पर बड़े अत्याचार किये थे और पुलिस से लाठी चार्ज करवा कर मजदूरों के शान्तिप्रिय आन्दोलन को दबाने का प्रयास किया गया था, लेकिन उस लाठीचार्ज की गूंज पूरे देश में ही नहीं, विदेशों तक गई थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री जी ने खुद आकर सभी मजदूरों को डियूटी पर भिजवाया था। अब फिर प्रबन्धक उसी रास्ते पर चल रहे हैं और समय रहते हुए कार्यवाही जरूरी है, जिससे कि गुरूग्राम व हरियाणा का नाम बार–बार खराब ना हो और औद्योगिक क्षेत्र में शान्ति बनी रहे।

हम आशा करते हैं कि हमारी भावनाओं की तरफ ध्यान देकर आप अपने स्तर पर वार्ता करके शीघ्र समाधान करवायेंगे।

आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद सहित।

निवेदक

ट्रेड यूनियन कौंसिल, गुरूग्राम–रेवाड़ी

AIUTUC

CITU